खेल निदेशालय,उत्तराखण्ड, देहरादून।

जिला खेल कार्यालय,उत्तरकाशी।

उत्तराखण्ड राज्य का क्षेत्र प्रतिभाओं से परिपूर्ण हैं, इस क्षेत्र में खेल को अधिक प्रोत्साहान देने हेतु खेल विभाग द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं जिसका विवरण निम्नवत है।

विषयः– खेल विभाग उत्तराखण्ड की वर्ष 2015–16 की जिला योजना की संरचना के सम्बन्ध में।

1. **खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन–** विभाग की इस अत्यन्त महत्वपूर्ण योजना के अन्तर्गत प्रत्येक जनपद में विभिन्न खेलों में जिला स्तर की प्रतियोगितायें आयोजित करने, 15 अगस्त, 2 अक्टवर, 9 नवम्बर, तथा 26 जनवरी के राष्ट्रीय पर्वो,राज्य स्थापना वर्षगांठ एवं अन्य अवसरो पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओ का आयोजन करने, मण्डलीय/राज्य स्तर (खेल सघों के समन्वय) की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है जिससे खिलाड़ी अपने प्रतिभा को निखार सकता है तथा उसे ज्ञात हो जाता है कि उसे अभी कितनी मेहनत/तैयारी करनी है। प्रतियोगिताओं के आयोजन में समस्त प्रतिभाग करने वाले टीमों/टीम मैनेजर/निणार्यको को विभागीय मानको/नियमानुसार आने–जाने का साधारण बस/रेल किराया/भोजन भत्ता/अनुसांगिक व्यय/आवास सुविधा एवं विजेता/उपविजेता टीमों के समस्त खिलाड़ियों/टीम मैनेजर/निणार्यको को आर्कषक पुरस्कार/खेल प्रमाण–पत्र/खेल उपकरण एवं खेल सामग्री/उद्घाटन–समापन/विविध व्यय आदि के व्यय ***वहन करने हेतु जिला योजना वर्ष 2015–16 में इस योजना हेतु ₹ 35.00 (पैतिस लाख मात्र) की धनराशि प्रस्तावित की जा रही है।***

2. **खेलकूद प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन–** खेल विभाग की यह अत्यन्त महत्वपूर्ण योजना है इस योजना के अन्तर्गत कोई भी साधारण सा व्यक्ति/खिलाड़ी नियमित रूप से वैज्ञानिक पद्धतियों से खेल विशेषज्ञों के अधीन खेल प्रशिक्षण की सुविधा पाकर असाधारण प्रतिभा का धनी हो सकता है। इस योजना के अन्तर्गत विभिन्न आयु वर्गों के बालक/बालिकाओं हेतु विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण शिविर के संचालन हेतु धनराशि की व्यवस्था की जानी है। उक्त प्रशिक्षण शिविर विभागीय स्टेडियम के साथ–साथ अन्य स्थलों पर भी संचालित करायें जाने है, जिससे खिलाड़ियों को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। विभिन्न खेलों में जिला स्तर, मण्डल स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेष प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन हेतु धनराशि की व्यवस्था की जानी है इसके साथ–साथ स्थाई एवं अस्थाई क्रीड़ा सामग्री/क्रीड़ा उपकरण का क्रय, कॉन्ट्रेक्ट प्रशिक्षकों के मानदेय/विभिन्न खेलकूद मैदानों के अनुरक्षण/रख–रखाव आदि के व्यय वहन करने हेतु ***जिला योजना वर्ष 2015–16 में इस योजना हेतु ₹ 20.00 (बीस लाख मात्र) की धनराशि प्रस्तावित की जा रही है।***

3. **क्रीड़ा छात्रावास का संचालन–** इस योजना को राज्य सैक्टर से जिला सैक्टर में स्थानान्तरित करने का निर्णय उच्च स्तर पर लिया गया है। किन्तु जनपद उत्तरकाशी में क्रीड़ा छात्रावास स्थापित न होंने के कारण वर्ष 2014–15 की जिला योजना में इस योजना हेतु कोई धनराशि प्रस्तावित नहीं की जा रही है।

4. **प्रकीर्ण व्यय–** इस योजना को जिला सैक्टर में सम्मलित किये जाने का निर्णय उच्च स्तर पर लिया गया है। निदेशक, खेल निदेशालय उत्तराखण्ड के पत्रांक–1320 दिनांक 19.12.2012 तथा पत्रांक सख्या–794 दिनांक 12 दिसम्बर,2014 जो समस्त जिला अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी महोदय को सम्बोधित एवं सचिव,खेल, सचिव नियोजन, मण्डलायुक्त गढवाल एवं जिला अर्थ संख्या अधिकारी महोदय को पृष्ठाकिंत है, के अनुपालन में यह योजना प्रस्तावित की गई है। इस योजना के अन्तर्गत जिला क्रीड़ा अधिकारीयों द्वारा समय–समय पर किये जाने वाले जनपद के विभिन्न स्थानों के भ्रमण आदि हेतु किराये पर वाहन की व्यवस्था करने वाहन हेतु पी.ओ.एल. की व्यवस्था, आतिथ्य जलपान, समय–समय पर आयोजित किये जाने वाले विभिन्न समारोहों, कार्यालय हेतु स्टेशनरी, विद्युत व्यय, जलकर, एस0 पी0 एस0, कम्प्यूटर स्टेशनरी एवं अन्य आवश्यक कार्यो हेतु धनराशि के व्यय वहन करने हेतु ***जिला योजना वर्ष 2015–16 में इस योजना हेतु ₹ 06.00 (छ लाख मात्र) की धनराशि प्रस्तावित की जा रही है।***

5. **क्रीड़ा प्रतिष्ठानों का निर्माण (वृहद निर्माण कार्य)–** क्रीड़ा प्रतिष्ठान किसी भी खेल की नींव होते है। इन्हीं क्रीड़ा प्रतिष्ठानों में खिलाड़ी अपने खेल में निखार लाकर अपने जनपद,राज्य एवं राष्ट्र को गौरवान्वित करता है। वर्तमान में क्रीड़ा प्रतिष्ठानों के आधार पर ही उस राज्य में राष्ट्रीय खेल अथवा अन्तराष्ट्रीय खेल आयोजन आवंटित होते है। इस योजना के अन्तर्गत जनपद में स्थापित स्टेडियमों, इण्डोर हॉल एवं अन्य खेल अवस्थापना सुविधाओं की मरम्मत एवं रख–रखाव हेतु धनराशि का प्राविधान कराया जाता है इसके अतिरिक्त समय–समय पर किये जाने वाले नवीन निर्माण कार्यो, बाउन्ड्री वॉल मरम्मत,खिलाड़ियो हेतु शैचालय,दर्शक दिर्घा हेतु टीन सैड, ग्राउण्ड हेतु लाईट की व्यवस्था एवं मुख्य भवन मरम्मत आदि कार्यो को कराया जाता है। वर्ष 2012–13 की जिला योजना के अन्तर्गत इस योजना से ट्यव बैल का निर्माण किया जा रहा है, तथा निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। जिसमें निर्माणदायी संस्था को आगणन की अवशेष धनराशि दी जानी है। जिस कारण उक्त योजना को पूर्ण करने तथा ***दर्शक दीर्घा हेतु टीन सैड, मुख्य भवन का मरम्मत कार्य, स्टेडियम की बाउन्ड्री वाल मरम्मत, ग्राउण्ड मरम्मत, ग्राउड हेतु लाईट की व्यवस्था एवं खिलाड़ियो हेतु शैचालय के निर्माण हेतु जिला योजना वर्ष 2015–16 में इस योजना हेतु ₹ 34.00 (चौतीस लाख मात्र) की धनराशि प्रस्तावित की जा रही है।***

इस प्रकार वर्ष 2015–16 की जिला योजना में विगत वर्ष की भॉति इस वर्ष भी ₹ 95.00 (पिचानवे लाख मात्र) की योजनाऐं प्रस्तावित की जा रही है।

(देवेन्द्र चन्द्र भट्ट)
जिला क्रीडा अधिकारी
उत्तरकाशी।